एक मसीही होने के नाते, कुछ पापों को बर्दाश्त करने से बचें

तुमने बहुत लहू बहाया है।

एक समय दाऊद के मन में यह विचार आया कि वह परमेश्वर के लिए एक घर बनाए। यह विचार परमेश्वर को बहुत भाया और उसे बड़े ही प्रसन्न किया। यहाँ तक कि यहोवा ने दाऊद को उसके राज्य के लिए अत्यधिक आशीषें देने का वचन दिया। लेकिन हम पढ़ते हैं कि परमेश्वर ने दाऊद को वह घर बनाने से रोक दिया। इसके बजाय कहा कि उसका पुत्र सुलेमान उसे बनाए। यह इसलिए नहीं था कि परमेश्वर नहीं चाहता था कि दाऊद उसे बनाए—कदापि नहीं। परमेश्वर दाऊद से बहुत प्रेम करता था; वह उसका प्रिय था। लेकिन एक बाधा थी, जिसने उसे रोका।

आइए पढ़ें:

1 इतिहास 22:7–8

7 दाऊद ने अपने पुत्र सुलेमान से कहा, “मेरे मन में था कि मैं यहोवा मेरे परमेश्वर के नाम के लिये एक भवन बनाऊँ।”

एक मसीही होने के नाते, कुछ पापों को बर्दाश्त करने से बचें

8 “परन्तु यहोवा का वचन मुझ पर आया, यह कहते हुए: तूने बहुत लहू बहाया है और बड़े युद्ध किए हैं; इसलिए तू मेरे नाम के लिये भवन नहीं बनाएगा, क्योंकि तूने मेरे सामने भूमि पर बहुत लहू बहाया है।”

कारण स्पष्ट है: दाऊद ने “बहुत लहू बहाया” था। दाऊद नहीं जानता था कि अनेक लोगों को मारना परमेश्वर की दृष्टि में अप्रसन्नता की बात थी। यद्यपि परमेश्वर उसके साथ था, दाऊद समझ नहीं पाया कि यह रक्तपात परमेश्वर के पवित्र और शुद्ध स्वभाव के सामने दुर्गन्ध की तरह पहुँच रहा था।

इसलिए जब दाऊद ने मंदिर बनाने का अपना निवेदन रखा, परमेश्वर ने उसे मना कर दिया, क्योंकि उसने दाऊद के हाथों को बहुत लहू से भरा देखा। और परमेश्वर कभी भी रक्तमय हाथों को पवित्र वस्तुओं के निर्माण में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं देता।

प्रभु हमें क्या सिखाना चाहता है?

हम मसीही भी कुछ पापों या आदतों में इतने अभ्यस्त हो जाते हैं कि बार-बार उन्हें करते हुए यह नहीं जानते कि हम परमेश्वर का मन दुखा रहे हैं। कभी-कभी हम यह सोचकर धोखा खा जाते हैं कि परमेश्वर की दया और कृपा हर जगह हमारा पीछा करती है। परन्तु हमारे दिलों में हम प्रतिदिन—दाऊद की तरह—लहू बहाते रहते

एक मसीही होने के नाते, कुछ पापों को बर्दाश्त करने से बचें

हैं।

नए नियम में हम तलवार या भाले से नहीं मारते। परन्तु शास्त्र कहता है:

1 यूहन्ना 3:15
“जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है; और तुम जानते हो कि किसी हत्यारे में वह अनन्त जीवन नहीं रहता।”

केवल भाई या पड़ोसी से घृणा करने मात्र से ही आत्मिक रूप से मनुष्य हत्यारा ठहरता है। जब यह घृणा समय के साथ बढ़ती है—और औरों तक फैलती है—तो परमेश्वर की दृष्टि में वह व्यक्ति बहुत लहू बहाने वाला दिखाई देता है।

इसके परिणाम बाद में दिखाई देते हैं:
जब तुम परमेश्वर से किसी अच्छे कार्य के लिए अनुग्रह माँगते हो—वह तुम्हें रोक देता है।
जब तुम चाहते हो कि परमेश्वर तुम्हारे साथ उच्च स्तरों में चले—वह रोक देता है।
क्योंकि तुमने कुछ पापों या गलतियों को बहुत समय तक अपने जीवन में बसने दिया है।

इसलिए, जब तक “आज” कहलाता है, हमें अपने जीवन को जाँचते रहना

एक मसीही होने के नाते, कुछ पापों को बर्दाश्त करने से बचें

चाहिए—कहाँ हमने ऐसी आदतें बना ली हैं जो परमेश्वर को अप्रसन्न करती हैं? और फिर उन्हें तुरंत छोड़ देना चाहिए, ताकि आगे चलकर वे हमें नुकसान न पहुँचाएँ।

यदि वह चुगली है—इसे तुरंत छोड़ दें।
यदि वह झूठ है, रिश्वत, बहाने, ईर्ष्या, कुड़कुड़ाना—इसे तुरंत छोड़ दें।

प्रभु हमारी सहायता करे।

शलोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp